चक्रवात रेमल

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

चर्चा में क्यों?

[भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (India Meteorological Department- IMD)] ने चक्रवात **रेमल नामक संभावित गंभीर चक्रवाती तूफान** के लिये चेतावनी जारी की है, जो **पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों को प्रभावित** कर सकता है।

चक्रवात रेमल के बारे में मुख्य जानकारियाँ क्या हैं?

- **नामकरण: उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की सूची में 'रेमल' नाम ओमान द्वारा दिया गया** है। इस वर्ष 2024 प्री-मॉनसून सीज़न में इस क्षेत्र में आने वाला यह पहला चक्रवात होगा।
  - अरबी में 'रेमल' का मतलब 'रेत' होता है।
- **उद्गम स्थल:** [बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal- BoB)]।
- **गठन में योगदान करने वाले कारक:**
  - मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक **डिप्रेशन** (परिचालित हवाओं और वायुमंडलीय अस्थिरता की विशेषता वाला कम दबाव का क्षेत्र) बन गया है, जो चक्रवात रेमल की उत्पत्ति के रूप में कार्य कर रहा है।
  - बंगाल की खाड़ी में **जल का तापमान औसत से अधिक (2-3 डिग्री सेल्सियस) गर्म होता है।** यह गर्म जल चक्रवातों के बनने और तीव्र होने के लिये आवश्यक ऊर्जा प्रदान करता है।
  - [मैडेन जूलियन ऑसिलेशन (MJO)] हवाओं और गर्म समुद्री जल के साथ पूर्व की ओर बढ़ने वाले बादल, वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण की ओर बढ़ रहे हैं। ये हवाएँ अपने घूर्णन प्रभाव के कारण चक्रवातों को आरंभ करने में प्रभावी भूमिका निभाती हैं।
- **संभावित प्रभाव:** यदि उच्च ज्वार के दौरान तूफान भारतीय तट पर पहुँचता है तो यह[सुंदरबन क्षेत्र] को प्रभावित कर सकता है, जिससे **संवेदनशील पर्यावरण को हानि हो सकती है।**
  - उत्तरी बंगाल की खाड़ी का उथला [बाथिमेट्री] **और कीप के आकार का भूगोल**
  - **(Funnel-Shaped Geography)** चक्रवात की तीव्रता को बढ़ा सकता है क्योंकि जैसे ही यह तट के पास पहुँचता है, जिससे तूफान और बाढ़ का खतरा बढ़ जाता है।
- **पिछले चक्रवात:** यह चक्रवात पिछले वर्षों में आए विनाशकारी तूफानों के समान है, जिन्होंने[यास] (वर्ष 2021), [अम्फान] (वर्ष 2020), [चक्रवात फानी (वर्ष 2019)], और **आइला** (वर्ष 2009) सहित पश्चिम बंगाल तथा **सुंदरबन** को अत्यधिक नुकसान पहुँचाया है।
  - राज्य के आपदा प्रबंधन अधिकारी एवं स्थानीय समुदाय चक्रवात रेमल के संभावित प्रभाव के लिये बेहतर प्रबंधन करने और उसके प्रभाव को न्यूनतम करने के लिये पिछले अनुभवों से सीख ले रहे हैं।

नोट:

- **बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal- BoB)** में अरब सागर की तुलना में **लगभग 4:1 के अनुपात** से अधिक चक्रवात आते हैं। हालाँकि, वर्ष 2022 के एक अध्ययन में पाया गया कि**वर्ष 2001-2019** तक [अरब सागर में चक्रवातों की आवृत्ति] **52% बढ़ गई है**, जबकि **बंगाल की खाड़ी की आवृत्ति थोड़ी कम हुई है।**
- बंगाल की खाड़ी की गहराई अरब सागर की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। बंगाल की खाड़ी के विस्तृत सतही क्षेत्र के कारण इसका तीव्र ऊष्मण होता है जिससे **उच्च वाष्पीकरण** होता है। इससे संबद्ध क्षेत्र में **उच्च दाब की स्थिति बनती** है जो अस्थिरता को उत्पन्न करती है। ये सभी कारक चक्रवात निर्माण के लिये उपयुक्त होते हैं।
- अरब सागर **उच्च लवणता, कम समुद्री सतह के तापमान** और हानिकारक पवन प्रणालियों के कारण सामान्यतः चक्रवातों की संख्या में कमी आई है।
  - हालाँकि, समुद्र एवं वायुमंडल के गर्म होने के पैटर्न में बदलाव के कारण**अरब सागर में अधिक बार और गंभीर उष्णकटिबंधीय चक्रवात आ रहे हैं।**
  - [हिंद महासागर द्विध्रुव (Indian Ocean Dipole- IOD)] का सकारात्मक चरण और मानव-प्रेरित [जलवायु परिवर्तन] अरब सागर में चक्रवातों की तीव्रता एवं उच्च आवृत्ति में योगदान दे रहे हैं।

चक्रवात

परिचय

चक्रवात एक कम दबाव वाला क्षेत्र होता है जिसके आस-पास तेजी से इसके केंद्र की ओर वायु परिसंचरण होते हैं।

चक्रवात बनाम प्रतिचक्रवात

दबाव प्रणाली	केंद्र में दबाव की स्थिति	हवा की दिशा का पैटर्न	
		उत्तरी गोलार्द्ध	दक्षिणी गोलार्द्ध
चक्रवात	निम्न	वामावर्त	दक्षिणावर्त
प्रतिचक्रवात	उच्च	दक्षिणावर्त	वामावर्त

वर्गीकरण

उष्णकटिबंधीय चक्रवात: पछुआ और व्यापारिक पेटी के बीच उत्पन्न होते हैं।

अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय/मध्यअक्षांश चक्रवात: शीतोष्ण क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं।

- गठन के लिए शर्तें:
  - 27 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान वाली एक बड़ी समुद्री सतह।
  - कोरिओलिस बल की उपस्थिति।
  - ऊर्ध्वाधर पवनशियर कम की गति से होना चाहिए।
  - पहले से मौजूद कमजोर निम्न-दबाव क्षेत्र या निम्न-स्तर चक्रवात परिसंचरण।
  - ऊपरी वायु प्रवाह से उच्च विचलन (Divergence)।
- शब्दावली:
  - मौसम प्रतिवेदन: विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)
  - हिंद महासागर क्षेत्र: खण्डगाटा, मकर, लहरगोड़, लकीरा, अंबिल, इकिसाम, ओरोबा और चाहोरा इस क्षेत्र में आने वाले चक्रवातों के नामकरण में योगदान करते हैं।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के लिये अलग-अलग नाम:
  - टाइफून: दक्षिण पूर्व एशिया और चीन
  - हरिकेन: उत्तरी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत
  - टॉरनेडो: संयुक्त अमेरिका और दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका।
  - विली-विलीज: उत्तर पश्चिम ऑस्ट्रेलिया
  - उष्णकटिबंधीय चक्रवात: दक्षिण पश्चिम प्रशांत और हिंद महासागर।
- खतरे में चक्रवात:
  - द्वि-वार्षिक चक्रवात मौसम: वर्षा से पहले और अक्सर से निकला।
  - हाल के चक्रवात: ऊंटे, यास, निवर और बेचाऊ (अंतिम दो: गंभीर अंधड़, अंधकार, फोनी, रिमाल, तूफानूर, तितली, बुलबुल और डिटवाह (श्रीलंका को खतरा दे)।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) अक्षांशों में दक्षिणी अटलांटिक और दक्षिण-पूर्वी प्रशांत क्षेत्रों में चक्रवात उत्पन्न नहीं होता। इसका क्या कारण है? (2015)

(a) समुद्री पृष्ठों के ताप निम्न होते हैं
(b) अंतःउष्णकटिबंधीय अभिसारी क्षेत्र (इंटर-ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन) बिरले ही होता है,
(c) कोरिऑलिस बल अत्यंत दुर्बल होता है
(d) उन क्षेत्रों में भूमि मौजूद नहीं होती

उत्तर: (b)

- दक्षिण अटलांटिक और दक्षिण-पूर्वी प्रशांत महासागर में चक्रवातों की कमी का सबसे प्रमुख कारण इस क्षेत्र में अंतर-उष्णकटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र (ITCZ) की दुर्लभ घटना है।
- उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति तब तक मुश्किल या लगभग असंभव हो जाती है, जब तक कि ITCZ द्वारा सिनॉप्टिक वोर्टिसिटी (यह क्षोभमंडल में एक दक्षिणावर्त या वामावर्त चक्रण है) और अभिसरण (यानी बड़े पैमाने पर चक्रण एवं तडित झंझा गतिविधि) उत्पन्न नहीं हो जाती है।

अतः विकल्प (b) सही उत्तर है।

भारतीय नौसेना ने किया औपनिवेशिक विरासत का त्याग

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

हाल ही में **भारतीय नौसेना** ने **पारंपरिक नौसैनिक प्रतीकों** का नाम परिवर्तित करके ध्वज पेश किये हैं, यह उनके द्वारा **ब्रिटिश औपनिवेशिक विरासत** को समाप्त करने के लिये एक महत्त्वपूर्ण कदम हैं।

- यह परिवर्तन राष्ट्रीय विरासत और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के लिये अपनी नौसैनिक पहचान को पुनः परिभाषित करने हेतु **भारत के प्रयासों को रेखांकित करता** है।

नामकरण में हालिया परिवर्तन क्या हैं?

- **नया नामकरण:** स्वदेशीकरण और राष्ट्रीय गौरव को प्रतिबिंबित करने के लिये, भारतीय नौसेना ने **'जैक'** का नाम बदलकर **'राष्ट्रीय ध्वज'** और **'जैकस्टाफ'** का नाम बदलकर **'राष्ट्रीय ध्वज स्टाफ'** कर दिया है।
- **पुराने नियम और उनकी उत्पत्ति:** **'जैक'** और **'जैकस्टाफ'** शब्द ब्रिटिश नौसैनिक इतिहास में गहनता से निहित हैं और ब्रिटिश नौसैनिक प्रथाओं के अवशेष के रूप में भारत समेत विश्व भर की नौसेनाओं द्वारा अपनाए गए हैं।
  - **'जैक'** आमतौर पर एक **ध्वज** को संदर्भित करता है, जबकि **'जैकस्टाफ'** एक **छोटा स्तंभ** है जिससे झंडे को फहराया जाता है, जो **जहाज़ के एक वितान** (**Bow Of a Ship**)पर स्थित होता है।
- **नियामक ढाँचा और वैधानिक संशोधन:** नामकरण में परिवर्तन को **नौसेना अधिनियम 1957** द्वारा परिभाषित शक्तियों का लाभ उठाते हुए **"नौसेना के विनियम (औपचारिक, शर्तें और सेवा एवं विविध विनियमन) 1963"** में संशोधन के माध्यम से औपचारिक रूप दिया गया था।

सशस्त्र बलों में अन्य प्रतीकात्मक परिवर्तन:

- **नौसेना के ध्वज में परिवर्तन:** सितंबर 2022 में भारतीय नौसेना ने ब्रिटिश-प्रेरित (British-Inspired) जॉर्ज क्रॉस को हटाकर एक **नवीन नौसैनिक ध्वज** अपनाया, जिसमें **जुड़वाँ सुनहरा बॉर्डर वाला एक नीला अष्टकोण, राष्ट्रीय प्रतीक और आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते'** शामिल है।
  - यह ध्वज **शिवाजी महाराज** **की मुहर** से प्रेरित है, जो सभी आठ दिशाओं (चार कार्डिनल और चार इंटरकार्डिनल) में नौसेना की पहुँच का प्रतीक है।

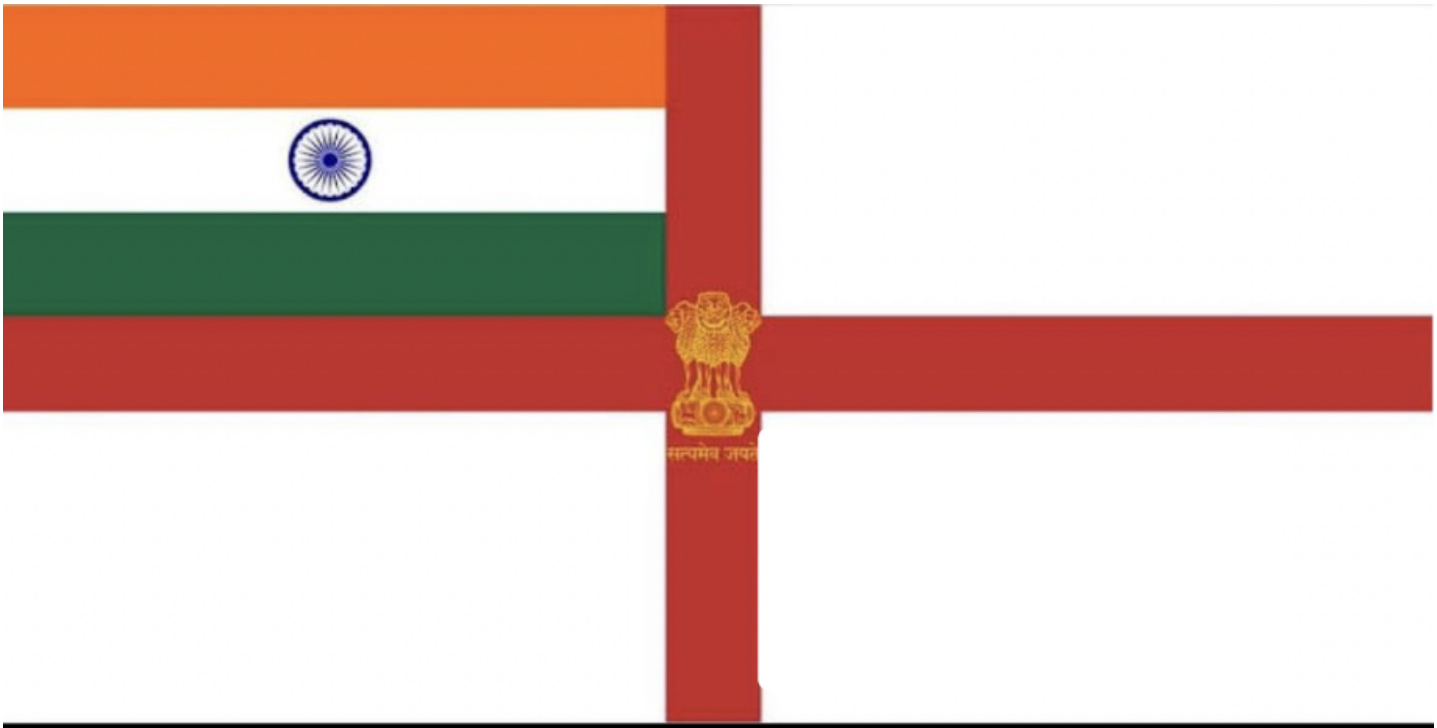

- **नौसेना अधकिारयिों के एपॉलेट (Epaulette) में बदलावः** भारतीय नौसेना ने छत्रपत शिविाजी महाराज की मुहर से प्रेरति **नवीन वरषि्ठ अधकिारयिों के एपॉलेट** का भी अनावरण कयिा है, जो औपनविशकि वरिासत से एक वरिाम और **भारतीय समुद्री वरिासत के उत्सव** का प्रतीक है, जसिमें नौसेना प्रमुख, वाइस एडमरिल तथा रयिर एडमरिल के लयि वगित डज़िाइन से आलावा भी पाँच अन्य संशोधन कयि गए हैं।

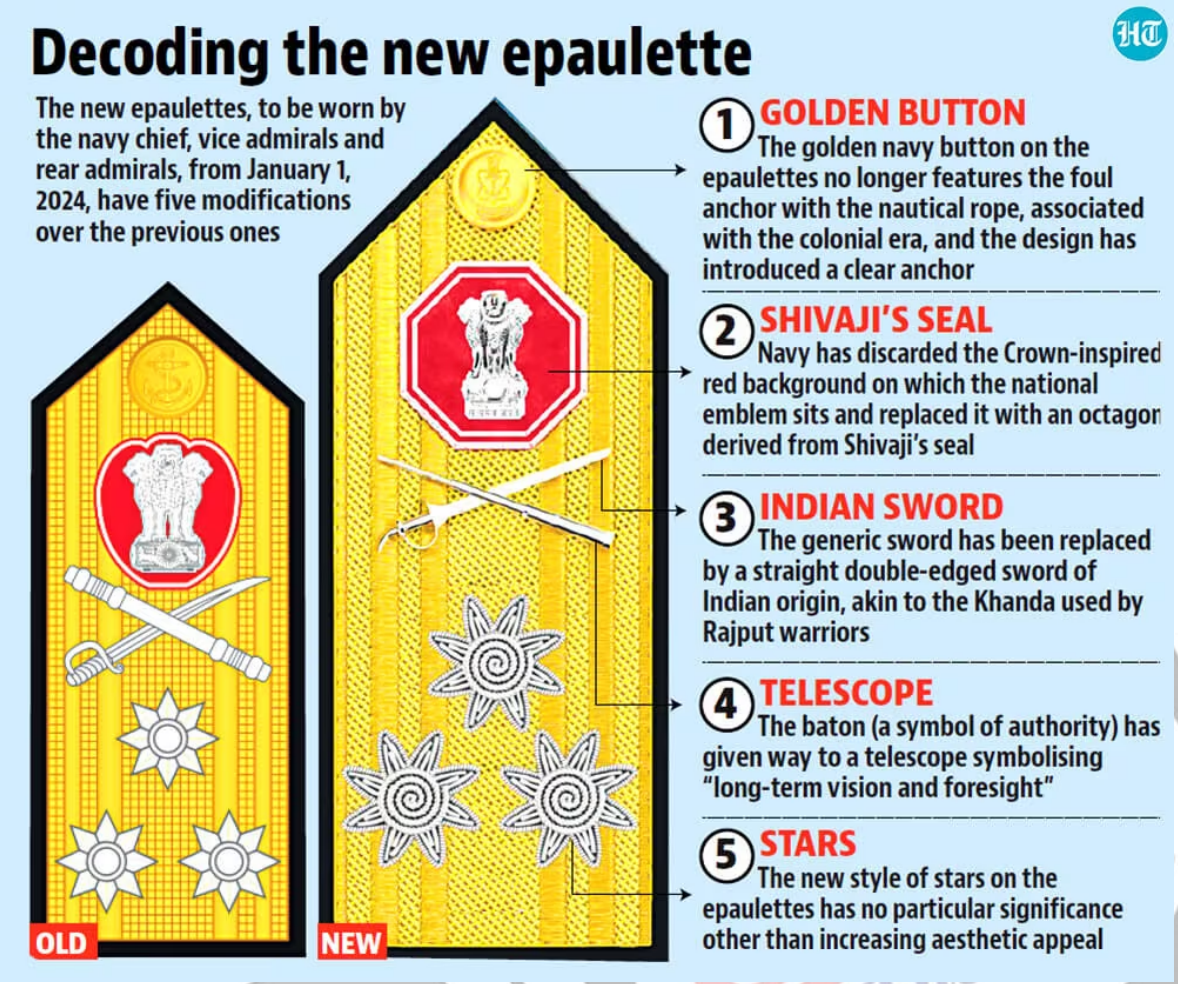

- **मेस में नया ड्रेस कोड: भारतीय नौसेना** ने नौसेना की **मेस में कुर्ता-पायजामा की** शुरुआत करके अपनी वरिासत को अपनाया है, जसिमें वरषि्ठ अधकिारी पारंपरकि पोशाक पहनने वाले पहले लोग हैं।
- **भारतीय सेना में बदलाव:** भारतीय सेना ने कार्यक्रमों, सेवानविृत्ति समारोहों में **घोड़ा-बग्घी और रात्रभिोज में पाइप बैंड** जैसी **पारंपरकि प्रथाओं** को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शुरू कर दयिा है।
- **महत्त्व:**
  - नौसैनकि प्रतीकों का नाम परविर्तति करना तथा उनको पुनः डज़िाइन करना **औपनविशकि संबंधों से दूरी** और **भारतीय संप्रभुता** एवं समुद्री वरिासत को **पुनः स्थापति** करने, दोनों का संकेत देता है।
  - ये उपक्रम आज़ादी के 100वें वर्ष तक देश के वकिास के लयि भारत के प्रधानमंत्री की **"पंच प्राण" प्रतजि्ञा** के अनुरूप हैं।

राष्ट्रीय ध्वज:

- भारतीय राष्ट्र तरिंगे के डज़िाइन का श्रेय काफी हद तक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी **पगिली वेंकैया (Pingali Venkayya)** को दयिा जाता है।
- भारत का **पहला राष्ट्रीय ध्वज** संभवतः **7 अगस्त, 1906** को कोलकाता में पारसी बागान स्क्वायर (ग्रीन पार्क) में फहराया गया था।
- राष्ट्रीय ध्वज आयताकार आकार में होना चाहयि जसिकी **लंबाई व चौड़ाई क्रमश: 3:2 के अनुपात में होनी चाहयि।**
- **अनुच्छेद 51 A (a)** के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरकि का कर्त्तव्य होगा कि वह संवधिान का पालन करे तथा उसके आदर्शों, संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करे।
- एक व्यक्ति जो **राष्ट्रीय गौरव अपमान नविारण अधनियिम, 1971 के तहत** वर्णति नम्निलखिति अपराधों के लयि दोषी पाया जाता है, उसे**6 वर्ष तक** के लयि संसद एवं राज्य वधिानमंडल के चुनावों में लड़ने के लयि अयोग्य घोषति कयि जाता है। इन अपराधों में शामलि है-
  - राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करना।
  - भारत के संवधिान का अपमान करना।
  - राष्ट्रगान गाने से रोकना या मना करना।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. भारत की ध्वज-संहिता, 2002 के अनुसार, भारत के राष्ट्रीय ध्वज के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजियेः (2023)

कथन-I: भारत के राष्ट्रीय ध्वज का एक मानक आमाप 600 मि.मी. × 400 मि.मी. है।

कथन-II: ध्वज की लंबाई से ऊँचाई (चौड़ाई) का अनुपात 3 : 2 होगा।

उपर्युक्त कथनों के बारे में, निम्नलिखित में से कौन-सा एक सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या है
(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।
(c) कथन-I सही है लेकिन कथन-II सही नहीं है
(d) कथन-I सही नहीं है लेकिन कथन-II सही है

उत्तर: (d)

प्रश्न. सीमा प्रबंधन विभाग निम्नलिखित में से किस केंद्रीय मंत्रालय का एक विभाग है? (2008)

(a) रक्षा मंत्रालय
(b) गृह मंत्रालय
(c) नौवहन, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
(d) पर्यावरण और वन मंत्रालय

उत्तर: (b)

संयुक्त संसदीय समिति (JPC)

स्रोत: द हिंदू

भारत के मुख्य विपक्षी दल ने कुछ ऐसे दावों की जाँच के लिये एक **संयुक्त संसदीय समिति (Joint Parliamentary Committee - JPC)** के गठन का आह्वान किया है जिनके आधार पर अडानी समूह ने उच्च गुणवत्ता बताते हुए तमिलनाडु में एक सरकारी कंपनी को निम्न श्रेणी का कोयला बेचा है।

- **JPC** एक तदर्थ समिति है, जो किसी **विशिष्ट विषय** या **विधेयक** की गहन जाँच करने के लिये **संसद** द्वारा स्थापित की जाती है।
  - इसमें दोनों सदनों के साथ-साथ सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के सदस्य शामिल होते हैं तथा इसकी अध्यक्षता लोकसभा के एक सदस्य (लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नियुक्त) द्वारा की जाती है।
  - **संसद JPC** की संरचना निर्धारित करती है और सदस्यों की संख्या पर **कोई सीमा निर्धारित नहीं** है।
    - समिति को कार्यकाल या कार्य पूरा करने के बाद **भंग** कर दिया जाता है।
  - समिति की सिफारिशें **सलाहकारी** होती हैं और सरकार के लिये उनका पालन करना **अनिवार्य नहीं** है।
    - हालाँकि, प्रवर समितियों और JPC के सुझाव, जिसमें सत्तारूढ़ दल के सांसदों तथा प्रमुखों का बहुमत होता है, मुख्य तौर पर स्वीकार किये जाते हैं।
- JPC के पास **विशेषज्ञों, सार्वजनिक निकायों, संघों, व्यक्तियों या इच्छुक दलों** से उनके अनुरोधों के जवाब में **साक्ष्य एकत्रित करने** का अधिकार है।
- **ऐसे कुछ मामले जिनमें JPC का गठन किया गया उनमें शामिल हैं:**
  - बोफोर्स घोटाला (1987)
  - हर्षद मेहता स्टॉक मार्केट घोटाला (1992)
  - केतन पारेख शेयर बाज़ार घोटाला (2001)
  - राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC, 2016)
  - व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक (2019)

और पढ़ें: संसदीय समितियाँ, संसद की प्रवर समिति

फलिस्तीन को मान्यता देंगे आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन ने घोषणा की है कि वे 28 मई, 2024 को औपचारिक रूप से **फलिस्तीन** को मान्यता प्रदान करेंगे।

- प्रतिउत्तर में **इज़रायल द्वारा प्रतिक्रिया एवं** असंतोष व्यक्त करने पर आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन ने अपने राजदूतों को तत्काल स्वदेश लौटने का आदेश दिया।
- इसके अतिरिक्त, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा में **संयुक्त राष्ट्र** **के 193 में से 143 सदस्य देशों ने** फलिस्तीन को पूर्ण सदस्यता प्रदान करने के पक्ष में मतदान किया।
    - भारत ने लगातार **टू-स्टेट सॉल्यूशन** का समर्थन किया है और इसके साथ ही भारत **वर्ष 1988** में फलिस्तीन राज्य को स्वीकार करने वाले **सर्वप्रथम गैर-अरब देशों में से एक** था।
        - भारत ने फलिस्तीन मुक्ति संगठन को भी मान्यता प्रदान की गई है।

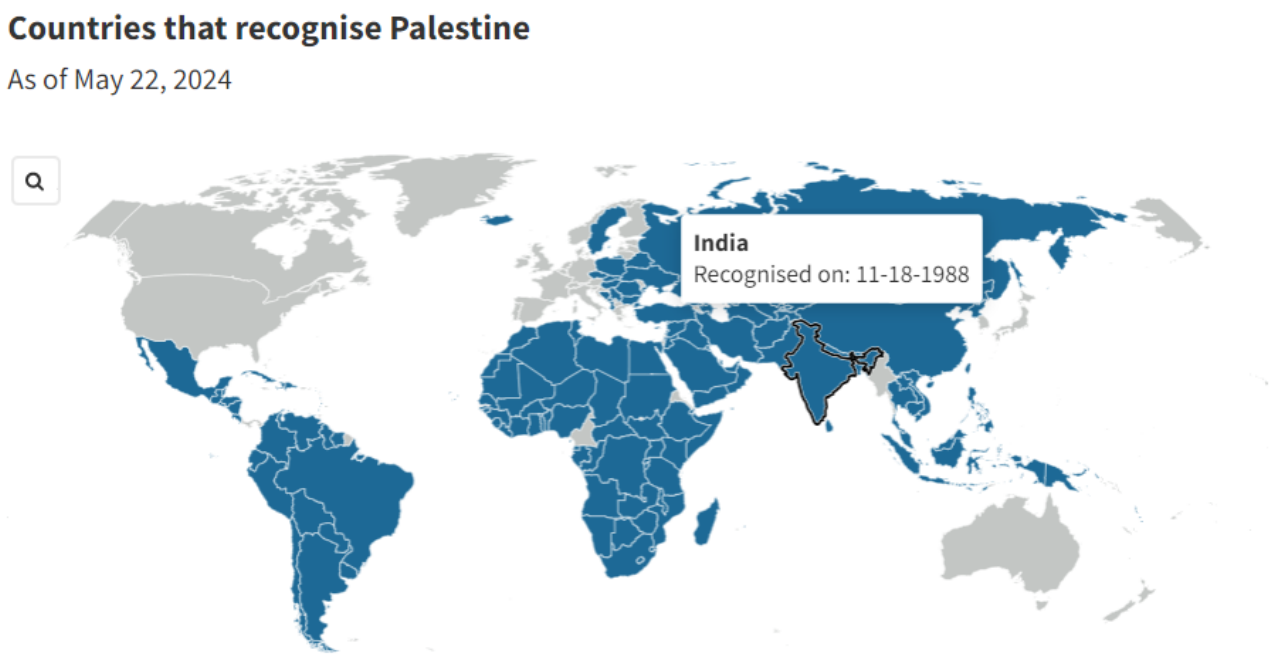

और पढ़ें... **इज़रायल-फलिस्तीन संघर्ष**

ब्रेन ईटिंग अमीबा

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

नेगलेरिया फाउलेरी अमीबा, जिसे प्राय: **"ब्रेन ईटिंग अमीबा"** के नाम से जाता है, के कारण होने वाले प्राथमिक **अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (Primary Amoebic Meningoencephaliti - PAM)** के कारण हाल ही में केरल में एक 5 वर्षीय लड़की की मृत्यु ने इस विनाशकारी की दुर्लभ लेकिन घातक संक्रमण प्रकृति को उजागर किया है।

- नेगलेरिया फाउलेरी एक स्वतंत्र रूप से रहने वाला अमीबा है, जो विश्व में अधिक तापमान वाले **स्वच्छ जल और मृदा** में पनपता है।
    - अमीबा आमतौर पर तैराकी जैसी गतिविधियों के दौरान नाक के माध्यम से शरीर में प्रवेश करता है और फिर मस्तिष्क में चला जाता है, जहाँ यह मस्तिष्क के ऊतकों को नष्ट कर देता है एवं सूजन का प्रमुख कारण बनता है।
- **लक्षण:** प्रारंभिक लक्षणों में **सिरदर्द, ज्वर, मतली और उल्टी** आना शामिल हैं, इसके बाद गर्दन में अकड़न, भ्रम, दौरे, मतिभ्रम एवं अंततः कोमा भी शामिल है।

- **मृत्युदर: PAM** से ग्रसति अधकिांश लोगों की लक्षणों की **शुरुआत के 1 से 18 दनिों के भीतर** ही मृत्यु हो जाती है और यह बीमारी आमतौर पर कोमा में परविर्तति हो जाती है, साथ ही इस स्थतिमिें 5 दनिों के भीतर मृत्यु हो जाती है।
- **उपचार संबंधी चुनौतयिाँ:** वर्तमान में **PAM के लयि कोई प्रभावी उपचार नहीं** है, चकित्सिक संक्रमण को प्रबंधति करने के लयि एम्फोटेरसिनि बी, एज़थि्रोमाइसनि, फ्लुकोनाज़ोल के साथ अन्य दवाओं के संयोजन का प्रयोग उपचार के लयि करते हैं।

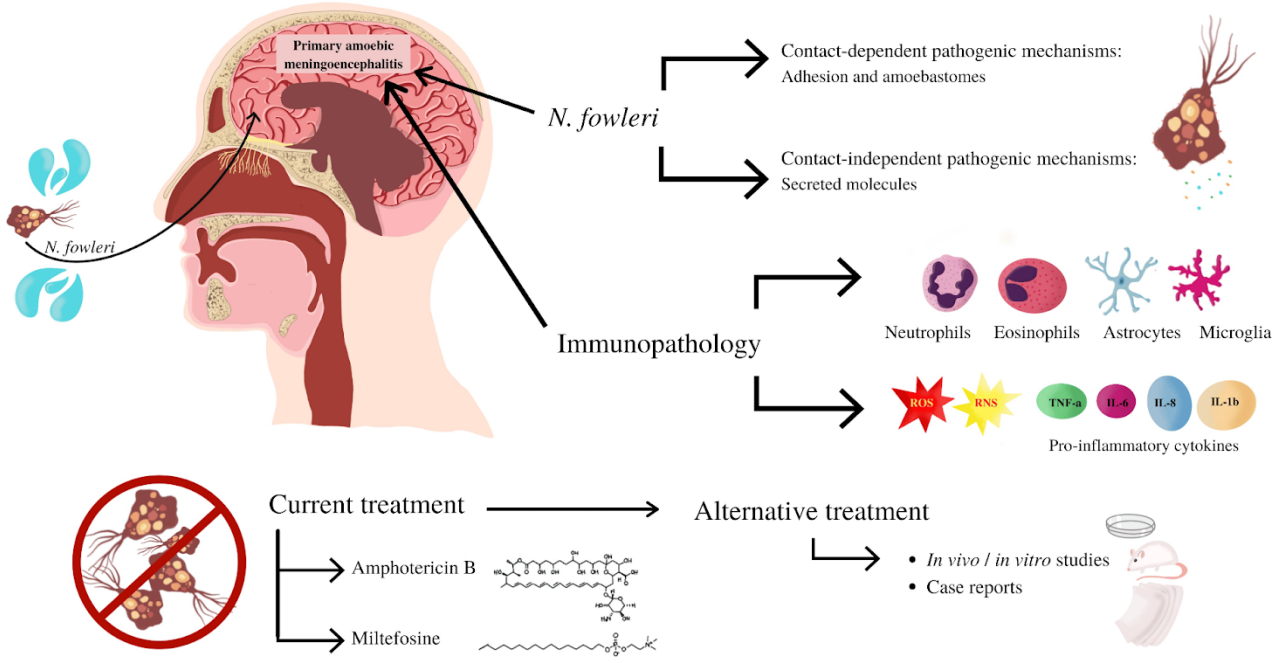

और पढ़ें... [नेगलेरयिा फाउलेरी: ब्रेन ईटगि अमीबा]

वसि्फोटक पदार्थ अधनियिम एवं पेरॉक्साइड रसायन

[स्रोत: हदिुस्तान टाइम्स]

हाल ही में महाराष्ट्र के ठाणे में स्थति एक फैक्ट्री में हुए रासायनकि वसि्फोट में 11 लोगों की मृत्यु हो गई। इस घटना का कारण ब**न्प्रतकि्रयिाशील पेरॉक्साइड रसायनों** के कारण अभयिुक्तों पर मुकदमा चलाने के लयि [वसि्फोटक अधनियिम, 1884] और **वसि्फोटक पदार्थ अधनियिम, 1908** का प्रयोग कयिा गया है।

- भारत में ब्रटिशि औपनविशकि सरकार द्वारा अधनियिमति, 1884 का वसि्फोटक अधनियिम, वसि्फोटकों के**नरि्माण, भंडारण, उपयोग, बकि्री, आयात एवं नरि्यात को नयिंत्रति** करता है। यह दुर्घटनाओं को रोकने के लयि वसि्फोटकों के रखरखाव, परविहन तथा भंडारण के लयि सुरक्षा मानकों को नरि्धारति करता है।
- वसि्फोटक पदार्थ अधनियिम,1908 में वसि्फोटक पदार्थों के साथ-साथ **वशिष श्रेणी के वसि्फोटक पदार्थों** को परभिाषति करने वाले प्रावधान शामलि हैं, जनिमें **RDX** जैसे यौगकि शामलि हैं। इस अधनियिम में जीवन अथवा संपत्ति को खतरे में डालने वाले वसि्फोटकों से संबंधति सज़ा का प्रावधान कयिा गया है, साथ ही दुर्भावनापूर्ण इरादे से वसि्फोट करने के प्रयासों या वसि्फोटकों को रखने के लयि सज़ा का प्रावधान भी कयिा गया है।
- पेरॉक्साइड रसायन, ऐसे **कार्बनकि यौगकि** होते हैं जनिमें एक पेरॉक्साइड कार्यात्मक समूह होता है, जो एक साथ जुड़े**दो ऑक्सीजन परमाणुओं की वशिषता प्रदर्शति** करता है।
  - पेरॉक्साइड की सामान्य संरचना को R–O–O–R के रूप में दर्शाया जा सकता है, जहाँ 'R' कोई भी तत्त्व हो सकता है। दो ऑक्सीजन परमाणुओं (O–O) के बीच संबंध को **पेरॉक्साइड समूह या पेरॉक्सी समूह** के रूप में जाना जाता है।
    - **उदाहरण: हाइड्रोजन पेरॉक्साइड, बेंज़ोयल पेरॉक्साइड।**
  - **पेरॉक्साइड में कमज़ोर बंधन** होता है, जसिसे वे **अधकि प्रतकि्रयिाशील** हो जाते हैं और अन्य रसायनों को उनकी संरचना में परविर्तन करने में सहायता मलिती होती है।
  - पेरॉक्साइड खतरनाक हो सकते हैं तथा गर्मी अथवा घर्षण के संपर्क में आने पर इनमें वसि्फोट हो सकता है।

और पढ़ें... [फॉरएवर केमकिल्स]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/25-05-2024/print